Title: Need to look into the problems of the people of the border areas of Jammu and Kashmir, whose lands have been used by the Defence forces for laying mines, building bunkers and setting up camps.

12.30 hrs.

श्री मदन लाल ्शर्मा (जम्मू) : मोहतरम ्स्पीकर ्साह्ब, मैं आपकी व्िसा्सत ्से ्सरहदी रिया्सत जम्मू-क्श्मीर की ्सरहदों पर ब्सने ्वाले लाखों लोगों की ्सम्स्या की तरफ ्सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं, जिनकी जमीनें माइन एरिया, डिच लाइन और फौजी कैम्पों में आ गई हैं, उ्सके एवज में उन्हे जमीनें नहीं दी गईं हैं।

महोद्य, जो कंपैन््से्शन अथ्वा मुआ्वजा दि्या जाता है ्वह ब्र्वक्त नहीं मिलता है। ्वे लोग फाकाक्शी कर रहे है। मर्कजी ्सरकार और डिफें्स मिनि्स्ट्री कंपैन््से्शन ्सैंक््शन करती है। ्यहां ्से ्वह पै्सा रिया्सती ्सरकार के पा्स जाता है। ्वहां ्वह ्सरकार फिर देरी करती है। मेरी मर्कजी ्सरकार और खा्सतौर ्से डिफें्स मिनि्स्टर ्साह्ब ्से ्यह अपील है कि कोई ऐ्सा तरीका इजाद कि्या जाए, मुआ्वजा देने के प्रॉ्सीजर को ्स्ट्रीमलाइन कि्या जाए, जि्स्से कि्सानों को उनकी जमीनों का मुआ्वजा ब्र्वक्त मिल ्सके।

महोद्य, जिन लोगों की जमीने डिच में चली गईं ्या जिनकी जमीनों पर फौजी कैम्प का्यम हो गए, माइन में चली गईं ्या फें्सिंग ्से आगे भी जमीनें चली गईं, ्वे अब ्वाप्स तो आनी नहीं है। उनको हम ब्र्वक्त कंपैन््से्शन नहीं देंगे, मुआ्वजा नहीं देंगे, तो कि्सान को ब्हुत मुश्किलात झेलनी प्ड़ेंगी। इ्सलिए मेरी इल्तिजा है कि रिया्सती ्सरकार को भी इ्स ब्ारे में इंस्ट्रक््शन्स दी जाएं कि ्वह जल्दी ले जल्दी मुआ्वजा दे तथा मेरी दुबारा मर्कजी ्सरकार और डिफें्स मिनि्स्ट्री ्से गुजारि्श है कि जिनकी जमीनें ली जाएं, उन्हें ब्र्वक्त मुआ्वजा अदा कि्या जाए ताकि जिनकी जमीनें गई हैं, ्वे अपने ब्च्चों का गुजारा कर ्सकें।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): I want to associate with him. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: His name may be recorded.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Shivraj V. Patil, you need not respond. If you have something to say, you can make a statement later on. Do you want to say something now?

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): We will consider it for a favourable decision. ...(*Interruptions*)